एम.पी.ए. - 011

एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए.

सत्रीय कार्य

2026–27

जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्र

एम.पी.ए. 011

राज्य, समाज और लोक प्रशासन

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य के लिए दिशा-निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

हम आप से अपेक्षा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देंगे। इसे संदर्भ में, निम्नलिखित को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगाः

1) **योजना बनाना** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

2) **व्यवस्थित करना** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

   उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

   - आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
   - वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संब ंध हो,
   - आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ.साथ आपके उत्तर भी सही हों
   - यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2026 सत्र के लिए	31 मार्च 2027	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2027 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2027	

शुभकामनाओं के साथ !!!

प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए – 011: राज्य, समाज और लोक प्रशासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए.–011
सत्रीय कार्य कोडः ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2026–जनवरी 2027
पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में खंड क और खंड ख शामिल हैं। प्रत्येक खंड में पॉच प्रश्न हैं। आपको कुल पॉच प्रश्नों के उत्तर देनें हैं, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का है।

खंड – क

1. राज्य की प्रकृति पर उदारवादी और मार्क्सवादी दृष्टिकोणों का परीक्षण कीजिए। 20
2. न्यासिता के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुये गाँधीवादी राजनीति के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 20
3. सूचना के अधिकार के विशेष संदर्भ में जन–संघर्षों के महत्व का वर्णन कीजिए। 20
4. भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए संस्थागत उपायों और रणनीतियों का विश्लेषण कीजिए। 20
5. भारतीय राज्य के सामने आने वाले मुद्दों को उजागर कीजिए। 20

खंड – ख

6. नीति प्रकिया में नौकरशाही की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20
7. विकासशील देशों पर वैशवीकरण के प्रभाव पर चर्चा कीजिए। 20
8. सूक्ष्म और व्यापक स्तरों पर संघर्ष समाधान की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 20
9. न्यायिक प्रणाली में सुधारों की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। 20
10. राज्य, बाजार और नागरिक समाज के बीच संबंधों पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 20